दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय
गोरखपुर-273001
(नैक प्रत्यायित 'B' श्रेणी)
सम्बद्ध
दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

☎ : 0551-2334549
: 09792987700
e-mail : dnpggkp@gmail.com
website : www.dnpgcollege.edu.in

दिनांक 06.03.2021

समाचार स्वरूप प्रकाशनार्थ

दिनांक 06 मार्च 2021 को दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय के प्राचीन इतिहास, पुरातत्व एवं संस्कृति विभाग में विशिष्ट व्याख्यान एवं प्रदर्शनी (मॉडल और पोस्टर) का आयोजन किया गया। विशिष्ट व्याख्यान की मुख्य वक्ता के रूप में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के प्राचीन इतिहास पुरातत्व एवं संस्कृति विभाग की पूर्व अध्यक्ष, प्रो. विपुला दुबे ने **''वर्तमान परिप्रेक्ष्य में बौद्ध धर्म की प्रासांगिकता''** पर ज्ञानवर्द्धक वक्तव्य प्रस्तुत करते हुए कहा कि बौद्ध धर्म की वर्तमान समय में प्रासंगिकता यह है कि बौद्ध धर्म 'सर्वजन हिताय एवं सर्वजन सुखाय' की अवधारणा को लेकर चलने वाला धर्म था। गौतम बुद्ध ने कहा कि युवा वर्ग को तर्कशील होना चाहिए क्योकि बिना तर्क के युवा जीवन निरर्थक है। आज कल कि कौशल विकास योजना बुद्ध की अप्पदीपों भवः का ही प्रतिरूप है। बुद्ध कहते है कि अपनी क्षमता को तलाश करों अपने को पहचानों तथा अपनी क्षमता के अनुसार खुद को ढालों और स्थापित करों। वर्तमान में सबसे बड़ी चुनौती अलगवाद, आतंकवाद, सीमाओं का अतिक्रमण वैचारिक कट्टरता आदि संघर्ष के कारण है क्योकि यह अपने बातों को सर्वोपरि मानते है। जबकि बौद्ध धर्म इन सभी विवादों को कारण नहीं मानता। बौद्ध धर्म मानवीय मूल्यों को स्थापित करने वाला धर्म है।

कार्यक्रम का आभार ज्ञापन विभागाध्यक्ष डॉ. धीरेन्द्र सिंह ने किया एवं संचालन डॉ. सीमा श्रीवास्तव ने किया। इस अवसर पर सहायक आचार्य श्री सुरेन्द्र चौहान एवं डॉ. कामिनी सिंह सहयोग सराहनीय रहा।

इस अवसर पर स्नातकोत्तर प्रथम एवं अन्तिम वर्ष के विद्यार्थियों द्वारा विषय से समबंधित प्रर्दशनी (मॉडल, पोस्टर) लगाया गया। जिसका उद्घाटन प्रो. विपुला दुबे, प्राचार्य डॉ. शैलेन्द्र प्रताप सिंह एवं विभागाध्यक्ष द्वारा किया गया। मॉडल प्रर्दशनी में प्रथम स्थान समृद्धि द्वितीय स्थान अनु कुमार धुरिया और अभिषेक मणि तथा तृतीय स्थान साक्षी पाण्डेय ने प्राप्त किया। पोस्टर प्रर्दशनी में रागिनी प्रथम, विनीता द्वितीय, सुप्रिया ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। सांत्वना पुरस्कार कपिल देव यादव, नितेश तिवारी, मनासा विश्वकर्मा संजू राय, प्रगति शुक्ला, शिवानी एवं अमित को प्रदान किया गया।

डॉ.(शैलन्द्र प्रताप सिंह)
प्राचार्य